tation with the Reserve Bank and in the context of the general interest rate structure of gilt-edged market.

(b) No decsion has yet been taken to revise the existing rates.

सरकारी कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाना

२७९५. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के जो कार्यालय इस समय ऐसे नगरों में स्थित हैं जहां गृह-कार्य मंत्रालय की ओर से हिन्दी कक्षायें चालू नहीं हैं वहां पर काम करने वाले केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को हिन्दी सिखाने के लिये क्या व्यवस्था की गई है अथवा की जाने वाली है ; और

(ख) उपरोक्त स्थानों पर टाइपिस्टों को हिन्दी टाईपिंग सिखाने के लिये क्या उपाय किये गये हैं अथवा किये जाने वाले हैं?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री बातार) : (क) और (ख) जिन स्थानों पर सीखने वाले कर्मचारी काफी संख्या में हैं वहां पर हिन्दी और हिन्दी टाईपिंग प्रशिक्षण केन्द्र खोले जा रहे हैं । कुछ स्थानों में जहां इस मंत्रालय की ओर से हिन्दी प्रशिक्षण केन्द्र नहीं खोले गये है, या नहीं खोले जा सकते हैं विभिन्न केन्द्रीय विभाग अपनी ओर से यथा-सम्भव इन्तजाम कर रहे हैं ।

Iron Ore Deposits in West Bengal

2796. { **Shri Subodh Hansda:**
Shri S. C. Samanta:

Will the Minister of **Mines and Fuel** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Geological Survey of India has located deposits of Iron ore in the District of Midnapur, West Bengal;

(b) if so, in which part of Midnapur District;

(c) whether extensive survey has been undertaken to find out the quantum of deposits; and

(d) whether it has got its commercial importance?

The Deputy Minister in the Ministry of Mines and Fuel (Shri Hajarnavis): (a) and (b). Iron ore occurrences have been located at Sarisabasa, Jarma, Shiarbinda and Chhurimara in the western part of Midnapur district of West Bengal.

(c) and (d). The above occurrences are not extensive and their grade also does not appear to be superior. Only a small amount of iron ore has been found, associated with manganese ore. Further detailed investigation with the help of drills is in progress to assess the potentiality of the manganese ores.

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के अध्यापक

२७९७. **श्री म० ला० द्विवेदी** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों मे दिल्ली के स्कूलों के निजी प्रबन्धकों द्वारा कितने अध्यापकों तथा अध्यापिकाओं को नौकरी से अलग किया गया ;

(ख) सरकार ने कितने मामलों में उन्हें नौकरी पर बहाल करने की आज्ञा दी है और उन मे से कितने प्रबन्धकों ने सरकारी आज्ञा का पालन किया है ; और

(ग) जिन प्रबन्धकों ने इन आज्ञाओं का पालन नहीं किया उन के विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

शिक्षा मंत्री (डा० श्रीमाली) : (क) १२ अध्यापक और ३ अध्यापिकायें ।

(ख) ६ । सभी प्रबन्धकों ने सरकार की आज्ञा का पालन किया ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।